महानगर
वर्ष-3, अंक-171, पृष्ठ: 13
मूल्यः एक रुपये

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

RNI/NO/UPHIN49792/16/4/2021

सच की अहमियत

2024

हर सवेरे नया जोश

कानपुर | रविवार, 04 फरवरी 2024 | कानपुर, लखनऊ, उत्तराखंड से एक साथ प्रकाशित

सूचना प्रसारण मंत्रालय एवं भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड

आलू फसल प्रबंधन पर हुआ एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

संवाददाता पंकज अवस्थी, सच की अहमियत

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के साग भाजी अनुभाग द्वारा एक्रिप आलू फसल सुधार योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति उप योजना के अधीन आलू उत्पादन कृषक तकनीकी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ग्राम अरशदपुर में किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित साग भाजी अनुभाग के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर राम बटुक सिंह ने कहा कि जनपद में आलू उत्पादन की असीम संभावनाएं हैं। तथा अधिकांश प्रजातियां अपनी अनुवांशिक क्षमता के अनुरूप पैदावार नहीं दे पा रही हैं,जिसका मुख्य कारण किसान भाइयों द्वारा तकनीकी के अंगीकरण का स्तर बहुत कम है।इसलिए अधिक आलू उत्पादन के लिए नवीन प्रजातियों का प्रयोग करें तथा खेती में सभी सफलतम तकनीकियों का भी प्रयोग करें। इस अवसर पर सस्य वैज्ञानिक डॉक्टर राजीव ने बताया कि जिन खेतों में आलू की फसल की बुवाई की जाती है उसमें बुवाई से पहले हरी खाद का अवश्य प्रयोग करें। जिससे उर्वरक उपयोग क्षमता बढ़ेगी। मसाला वैज्ञानिक डॉक्टर संजीव सचान द्वारा लहसुन फसल पर तकनीकी चर्चा करते हुए सल्फर के प्रयोग करने की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण सिंह द्वारा आलू फसल की कटाई के उपरांत मूंग, उर्द मक्का की बुवाई करने की सलाह दी। डॉ अजय कुमार यादव ने बताया कि जो किसान अपने द्वारा उत्पादित आलू कंदो को बीज के रूप में रखना चाहते हैं वे भंडारण से पूर्व उनका बोरिक एसिड से तीन प्रतिशत घोल से अवश्य उपचारित करें। डॉ शशिकांत ने कहा कि जिस प्रकार फसलों को सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है उसी प्रकार पशुओं में भी इसकी आपूर्ति किया जाना आवश्यक है।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रगतिशील किसान गिरधारी लाल ने की । कार्यक्रम में 100 अधिक महिला एवं पुरुष किसानों ने प्रतिभा किया।

Title-code: UPHIN-48963 E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर
समाचार पत्र

04,02, 2024jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर ,9956834016

Sunday 4th February 2024 jksingh.hardoi@gmail.com website: satyakaasar.com

आलू फसल प्रबंधन पर हुआ एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण

वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर साग भाजी अनुभाग द्वारा एक्रिप आलू फसल सुधार योजना अंतर्गत अनुसूचित जाति उप योजना के अधीन आलू उत्पाद कृषक तकनीकी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्य का आयोजन ग्राम अरशदपुर में किया गया।कार्यक्रम के मु अतिथि के रूप में उपस्थित साग भाजी अनुभाग के विभाग अध्य डॉक्टर राम बटुक सिंह द्वारा कहा गया कि जनपद में आलू उत्पाद की असीम संभावनाएं हैं। तथा अधिकांश प्रजातियां अप अनुवांशिक क्षमता के अनुरूप पैदावार नहीं दे पा रही हैं,जिस मुख्य कारण किसान भाइयों द्वारा तकनीकी के अंगीकरण का रु बहुत कम है।इसलिए अधिक आलू उत्पादन के लिए नवी प्रजातियों का प्रयोग करें तथा खेती में सभी सफलतम तकनीकि का भी प्रयोग करें। इस अवसर पर सस्य वैज्ञानिक डॉक्टर राज द्वारा बताया गया कि जिन खेतों में आलू की फसल की बुवाई जाती है उसमें बुवाई से पहले हरी खाद का अवश्य प्रयोग क जिससे उर्वरक उपयोग क्षमता बढ़ेगी। मसाला वैज्ञानिक डॉक संजीव सचान द्वारा लहसुन फसल पर तकनीकी चर्चा करते सल्फर के प्रयोग करने की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण सिंह द्वारा आलू फसल की कटाई उपरांत मूंग, उर्द मक्का की बुवाई करने की सलाह दी। डॉ अजय कुमार यादव द्वारा कहा गया कि जो किसान अपने द्वा उत्पादित आलू कंदो को बीज के रूप में रखना चाहते हैं वे भंडारण से पूर्व उनका बोरिक एसिड से तीन प्रतिशत घोल से अव उपचारित करें। डॉ शशिकांत ने बताया कि जिस प्रकार फसलों को सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है उसी प्रक पशुओं में भी इसकी आपूर्ति किया जाना आवश्यक है।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रगतिशील किसान गिरधारी लाल द्वारा की ग इस कार्यक्रम में 100 अधिक महिला एवं पुरुष किसानों ने प्रतिभा किया।

Title-code: UPHIN-48963 E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com
सत्य का असर
समाचार पत्र

04,02, 2024jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

कानपुर वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कल्यानपुर जीटी रोड पर कब्जा ,लग रही थीं अवैध सब्जी की दुकाने, ट्रैफिक पुलिस ने कराया खाली।

वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कानपुर- कल्याणपुर जीटी रोड पर अवैध तरीके से अतिक्रमण फैला रहे सब्जी विक्रेताओं ने कब्जा कर रखा था। कल्याणपुर क्रॉसिंग से लेकर बरिया क्रॉसिंग तक पूरी जीटी रोड पर सब्जी ठेला वाले अतिक्रमण फैलाए हुए थे।इसी वजह से दिन भर जाम लगा रहता था इसी को लेकर शाकिल प्रभारी इंस्पेक्टर वीरपाल सिंह के नेतृत्व में ट्रैफिक इंस्पेक्टर मोबीन खान की पूरी ट्रैफिक पुलिस टीम ने जी टी रोड में बीच सड़क पर सब्जी बेच रहे दुकानों को सड़क के किनारे दुकान लगाने की सलाह दी।वहीं रोड पर खड़े आड़े तिरछे सब्जी ठेला वालों को भगाया गया। मना करने के बाद जिन लोगों ने सब्जी हटाने में आनाकानी की उनके तराजू बाट जप्त किए गए बाद में हिदायत देते हुए ट्रैफिक इंस्पेक्टर मोबीन खान ने तराजू व बाट वापस करवा दिए इस दौरान इंस्पेक्टर वीरपाल सिंह ट्रैफिक इंस्पेक्टर मोबीन खान टी एस आई मुनेंद्र प्रताप सिंह, टी एस आई वीरेंद्र सिंह, टी एस आई जितेन्द्र सिंह, टी एस आई भोजराज सिंह, एच सी राकेश बहादुर,अंकित कुमार आदि ट्रैफिक पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

सत्य का असर समाचार पत्र

04,02, 2024jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956 834016

कानपुर वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कल्यानपुर ट्रैफिक पुलिस ने वाहनों के प्रपत्रों की सघन चेकिंग के दौरान कई गाड़ियों के किए चालान

वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कानपुर कल्यानपुर ट्रैफिक पुलिस ने वाहनों की चेकिंग के दौरान तीन तीन ई रिक्शा चालक जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था और गाड़ी के कागज भी नहीं थे जिसमें दो रिक्शा चालक की उम्र लगभग 14 से 15 वर्ष थी कम उम्र में बिना लाइसेंस के जीटी रोड पर गाड़ी चलाना दंडनीय अपराध है। इसी के चलते दो रिक्शा सीज किए गए और एक रिक्शा का चालान किया गया। जीटी रोड पर कई वाहन चालकों से पीछे बैठी सवारियों को भी सीट बेल्ट लगाने की सलाह दी। वहीं ट्रैफिक इंस्पेक्टर मोबीन खान ने बताया सीट बेल्ट लगाने से दुर्घटना के समय बैलून खुल जाते हैं जिससे यात्रियों की जान सुरक्षित बनी रहती है।चेकिंग के दौरान इंस्पेक्टर वीरपाल सिंह ट्रैफिक इंस्पेक्टर मोबीन खान टी एस आई मुनेंद्र प्रताप सिंह, टी एस आई वीरेंद्र सिंह, टी एस आई जितेन्द्र सिंह, टी एस आई भोजराज सिंह, एच सी राकेश बहादुर,अंकित कुमार आदि ट्रैफिक पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

सत्य का असर समाचार पत्र

Sunday 4th February 2024 jksingh.hardoi@gmail.com website: satyakaasar.com

कल्यानपुर रेलवे स्टेशन के पास कचरे के ढेर से आ रही बदबू से लोगों का निकलना दूभर

कानपुर स्वच्छता के लिए नगर निगम की ओर से कूड़ा फेंकने के लिए कई जगह बड़े-बड़े कूड़ेदान लगाए गए। निर्धारित जगह पर कूड़ा -करकट डालने का निर्देश दिया गया।पर भी जागरूकता के अभाव में लोग बड़े कूड़ादान में डालने के बजाए उसके आगे पीछे अगल-बगल में कूड़ा फेंक रहे हैं। जगह-जगह लगा रखे कूड़ेदानों को प्रतिदिन खाली नहीं किया जाता, जिसके चलते कूड़ेदानों के नीचे कचरे का ढेर लगे है। लोग कूड़ा कूड़ेदान में नहीं डालकर सड़क किनारे फेंक देते हैं। कचरे को जानवर फैलाते व खाते हैं एवं वर्षा के समय कचरे में बदबू हो जाती है। जिसके चलते राहगीरों को परेशानी का सामना पड़ रहा है। कई जगह तो खाली जगह देखकर उसे कूड़े दान बना दिया गया है, ऐसा ही नजारा कल्याणपुर रेलवे स्टेशन के पास देखने को मिला , जहां की गली का सड़क का खस्ता हाल तो है ही, रेलवे लाइन के बगल से शिवली जाने वाली सड़क में कूड़ा कचरा का अंबार लगा है। बदबू से लोग परेशान रहते हैं। आने जाने वाले लोग नाक और रूमाल रखने को मजबूर हैं। यह मोहल्ला वार्ड अशोकनगर में पड़ता है। नागरिक धीरेंद्र कुमार , अंश सिंह , शंकर चौधरी, दिग्गज कुमार ने बताया कि सड़क पर कूड़े का ढेर लगा दिया गया है, जबकि मोहल्ले में कुछ आगे कूड़ेदान रखे हुए है, लेकिन कोई भी कचरे को कूड़ाघर या कूड़ेदान में डालने की जहमत नहीं उठाता है एवं कूड़ा इधर-उधर डाल देते हैं। इससे संक्रामक रोग फैलने का खतरा बना रहता है। कूड़े के ढेर पर कुत्ते से लेकर मवेशी तक खाद्य पदार्थ खोजते नजर आ जाते है.

सत्य का असर समाचार पत्र

2024 सत्य का असर समाचार पत्र की तरफ से आपको नए वर्ष की बहुत-बहुत शुभकामनाएं नया वर्ष मंगलमय हो ।
संपादक जितेंद्र सिंह पटेल
सह संपादक धीरेंद्र कुमार धीरू पटेल
सह संपादक नीरज बहल

खबर विज्ञापन के लिए संपर्क करें - 9956834016

1 2 4

पीएम मोदी ने संबलपुर में आईआईएम के... 12

धनाराघाट पेंटून पुल मार्ग पर वाहनों का आवागमन... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 113
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
रविवार | 04 फरवरी, 2024

आलू उत्पादन कृषक तकनीकी विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में दी जानकारी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साग भाजी अनुभाग द्वारा एक्रिप आलू फसल सुधार योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति उप योजना के अधीन आलू उत्पादन कृषक तकनीकी विषय पर शनिवार को एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ग्राम अरशदपुर में किया गया।कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे मौजूद साग भाजी अनुभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राम बटुक सिंह ने कहा कि जनपद में आलू उत्पादन की असीम संभावनाएं हैं तथा अधिकांश प्रजातियां अपनी अनुवांशिक क्षमता के अनुरूप पैदावार नहीं दे पा रही हैं जिसका मुख्य कारण किसानो द्वारा तकनीकी के अंगीकरण का स्तर बहुत कम होना है।

उन्होंने अधिक आलू उत्पादन के लिए नवीन प्रजातियों का प्रयोग करने तथा खेती में सभी सफलतम तकनीकियों का भी प्रयोग करने की सलाह दी। इस अवसर पर सस्य वैज्ञानिक डॉ. राजीव ने बताया कि जिन खेतों में आलू की फसल की बुवाई की जाती है उसमें बुवाई से पहले हरी खाद का अवश्य प्रयोग करें। जिससे उर्वरक उपयोग क्षमता बढ़ेगी। मसाला वैज्ञानिक डॉ.संजीव सचान ने लहसुन फसल पर तकनीकी चर्चा करते हुए सल्फर के प्रयोग करने की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ.अरुण सिंह द्वारा आलू फसल की कटाई के उपरांत मूंग, उर्द मक्का की बुवाई करने की सलाह दी। डॉ.अजय कुमार यादव ने कहा कि जो किसान अपने द्वारा उत्पादित आलू कंदो को बीज के रूप में रखना चाहते हैं वे भंडारण से पूर्व उनका बोरिक एसिड से तीन प्रतिशत घोल से अवश्य उपचारित करें। डॉ.शशिकांत ने बताया कि जिस प्रकार फसलों को सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है उसी प्रकार पशुओं में भी इसकी आपूर्ति किया जाना आवश्यक है।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रगतिशील किसान गिरधारी लाल द्वारा की गई। कार्यक्रम में 100 अधिक महिला एवं पुरुष किसानों ने प्रतिभाग किया।

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-324 कानपुर, रविवार 4 फरवरी 2024 पृष्ठ-8 ₹ म

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

संस्थ
स्व. मो. इक

आलू फसल प्रबंधन पर हुआ एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के साग भाजी अनुभाग द्वारा एक्रिप आलू फसल सुधार योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति उप योजना के अधीन आलू उत्पादन कृषक तकनीकी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ग्राम अरशदपुर में किया गया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित साग भाजी अनुभाग के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर राम बटुक सिंह द्वारा कहा गया कि जनपद में आलू उत्पादन की असीम संभावनाएं हैं। तथा अधिकांश प्रजातियां अपनी अनुवांशिक क्षमता के अनुरूप पैदावार नहीं दे पा रही हैं,जिसका मुख्य कारण किसान भाइयों द्वारा तकनीकी के अंगीकरण का स्तर बहुत कम है ।इसलिए अधिक आलू उत्पादन के लिए नवीन प्रजातियों का प्रयोग करें तथा खेती में सभी सफलतम तकनीकियों का भी प्रयोग करें। इस अवसर पर सस्य वैज्ञानिक डॉक्टर राजीव द्वारा बताया गया कि जिन खेतों में आलू की फसल की बुवाई की जाती है उसमें बुवाई से पहले हरी खाद का अवश्य प्रयोग करें। जिससे उर्वरक उपयोग क्षमता बढ़ेगी। मसाला वैज्ञानिक डॉक्टर संजीव सचान द्वारा लहसुन फसल पर तकनीकी चर्चा करते हुए सल्फर के प्रयोग करने की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण सिंह द्वारा आलू फसल की कटाई के उपरांत मूंग, उर्द मक्का की बुवाई करने की सलाह दी। डॉ अजय कुमार यादव द्वारा कहा गया कि जो किसान अपने द्वारा उत्पादित आलू कंदो को बीज के रूप में रखना चाहते हैं वे भंडारण से पूर्व उनका बोरिक एसिड से तीन प्रतिशत घोल से अवश्य उपचारित करें। डॉ शशिकांत ने बताया कि जिस प्रकार फसलों को सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है उसी प्रकार पशुओं में भी इसकी आपूर्ति किया जाना आवश्यक है ।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रगतिशील किसान गिरधारी लाल द्वारा की गई ।इस कार्यक्रम में 100 अधिक महिला एवं पुरुष किसानों ने प्रतिभा किया।